उपलब्धि

दिल्ली पब्लिक स्कूल की सफल छात्राओं को प्रिंसिपल डॉ. अरुण ने बधाई दी

डीपीएस की छात्राओं ने एनटीएसई किया क्लीयर

जासं, बठिंडा : दिल्ली पब्लिक स्कूल की दो छात्राओं अदिति व निष्ठा सिंगला ने नेशनल टेलेंट सर्च एग्जामीनेशन (एनटीएसई) क्लीयर किया। स्कूल प्रिंसिपल डॉ.अरुण ने छात्राओं व उनके अभिभावकों को मुबारकबाद दी। उन्होंने इस प्राप्ति का श्रेय छात्राओं की लगन व स्टाफ की मेहनत को दिया।

प्रिंसिपल अरुण ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा भारत में राष्ट्रीय स्तर की छात्रवृत्ति योजना है। इसमें उच्च बौद्धिक एवं शैक्षिक क्षमता वाले छात्रों की पहचान की जाती है। इसके लिए केवल वे छात्र ही परीक्षा में बैठ सकते हैं, जो दसवीं कक्षा में पढ़ रहे हों। यह राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा संचालित है। उन्होंने कहा कि इस छात्रवृत्ति के लिए दो चरणों में चयन-प्रक्रिया अपनाई जाती है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल की एनटीएसई क्लीयर करने वाली छात्राएं स्टाफ के साथ • जागरण

पहले चरण के तहत राज्य स्तरीय परीक्षा आयोजित की जाती है। राज्य स्तरीय परीक्षा में जो छात्र सफल होते हैं, वही एनसीईआरटी द्वारा आयोजित दूसरे चरण की परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। सभी राज्यों और केंद्र-शासित क्षेत्रों के छात्रों की संख्या को लेकर कोटा दिया गया है, जिसके तहत उतनी ही संख्या में छात्र दूसरे चरण की परीक्षा में शामिल होंगे। किन्तु दूसरे चरण की परीक्षा के बाद छात्रवृत्ति के मामले में किसी तरह के कोटे का प्रावधान नहीं है।

डीपीएस में एनटीएसई के नेशनल टैलेंट का सम्मान

भास्कर संवाददाता | बठिंडा

सर्वाधिक प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा नेशनल टैलेंट सर्च एग्जाम में दिल्ली पब्लिक स्कूल की दो छात्राओं ने अपनी बौद्धिक प्रतिभा का राष्ट्रीय स्तर पर जलवा दिखाया। एनसीईआरटी की ओर से घोषित एनटीएसई फेज-वन के परिणाम में जिले से 7 बच्चों ने क्वालीफाई किया है जबकि पंजाब के 75 विद्यार्थी इस परीक्षा में पास हुए। एनटीएसई फर्स्ट लेवल क्वालीफाई करने वाली दिल्ली पब्लिक स्कूल की अदिति, निशिता को स्कूल में शनिवार को विशेष तौर पर सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल डॉ. अरूण जी ने इन

छात्राओं को शाबाशी देते प्रिंसिपल।

छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए इन्हें सेकंड लेवल में भी मुकाम हासिल करने का आशीर्वाद दिया। इसके साथ ही टैलेंटेड बच्चियों के अभिभावकों को अपनी बेटियों पर नाज करने करने का आह्वान करते हुए स्कूल स्टाफ को बधाई दी।

उपलब्धि परिवार में खुशी का माहौल, बच्चे अपने कैरियर को लेकर बेहद कॉन्फिडेंट

जिले के सात बच्चों ने क्वालिफाई किया नेशनल

भास्कर संवाददाता | बठिंडा

तेष्ठित प्रतियोगी परीक्षा नेशनल ..लैंट सर्च एग्जाम में बठिंडा के बच्चों ने अपनी बौद्धिक कौशल का राष्ट्रीय स्तर पर जलवा दिखाया।

एनसीईआरटी की ओर से मंगलवार को घोषित एनटीएसई फेज-वन के परिणाम में बठिंडा के 7 बच्चों ने क्वालीफाई किया है जबकि पंजाब के 75 विद्यार्थी इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग की ओर से ली गई परीक्षा में देश भर के दसवीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्नेहलरीत व दीपांशु मैग्नेट इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट ने इस उपलब्धि पर टीचर्स का आभार जताया।

इन बच्चों ने गाड़ा कामयाबी का झंडा

अदिति।

कशिश जैन।

स्नेहलरीत कौर।

निशिता।

दीपांशु गर्ग।

समर गर्ग।

एनटीएसई फर्स्ट फेज क्वालीफाई करने वालों में स्नेहलरीत कौर सैंट जेवियर्स हाई स्कूल रामपुराफूल, दीपांशु गर्ग सैंट जेवियर्स स्कूल बठिंडा, अदिति दिल्ली स्कूल बठिंडा, सर्वेश सोनकर सैंट जेवियर्स स्कूल बठिंडा, कशिश जैन सैंट जेवियर्स हाई स्कूल रामपुराफूल, समर गर्ग सैंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल बठिंडा, निशिता दिल्ली स्कूल के नाम शामिल हैं।

परिणाम के बाद बच्चों ने शुरू की सेकंड फेज की तैयारी

परिणाम की घोषणा के बाद बच्चों के परिवारों में खुशी का माहौल रहा वहीं फोन पर बधाई संदेश मिल रहे हैं जबकि बच्चों को आशीर्वाद देने के लिए उनके घर पर लोगों का तांता भी लगा रहा। एनटीएसई क्वालिफाई करने वाले जिले के सभी सातों बच्चे अपने कैरियर को लेकर बेहद कॉन्फिडेंट हैं और उन्होंने अभी से ही अपने सेकंड फेज की तैयारी शुरू कर दी है।

दो फेज में होती चयन-प्रक्रिया | मैग्नेट इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर ऋषिराज ने होनहार बच्चों को शाबाशी देते हुए कहा कि एनटीएसई स्कॉलरशिप के लिए दो फेज में चयन-प्रक्रिया अपनाई जाती है। पहले फेज में प्रदेश स्तरीय परीक्षा होती है, इसमें सफल विद्यार्थी ही एनसीईआरटी द्वारा आयोजित सेकंड फेज की परीक्षा में भाग लेते हैं। सभी राज्यों और केंद्र-शासित क्षेत्रों के विद्यार्थियों की संख्या को लेकर कोटा दिया गया है जिसके तहत उतनी ही संख्या में विद्यार्थी सेकंड फेज की परीक्षा में शामिल होते हैं सेकंड फेज की परीक्षा के बाद इंटरव्यू के साथ ही बच्चे को हायर एजुकेशन के लिए स्कॉलरशिप दी जाती है।